

New India Education

General English — RAS Mains Paper-IV



**NEW INDIA
EDUCATION (NIEd)**
— संकल्प आपका, साथ हमारा —

*“Better
English
Brighter
Opportunities”*



**RAS
EXAM**

*Learn
Practise
Write
Excel*

*Ideas
Discussion
Analysis
Expression
Clarity
Confidence*

*Good
English
Good
Ideas
Better
World*

*A
Global
Language
A
Global
Future*

*Small
Steps
Big
Results*

*THINK
SPEAK
WRITE
GROW*

*More
Than a Subject
A Skill for Life*

General English

RAS MAINS PAPER-IV

— Language Skills for a Larger Tomorrow —

CHAPTERS

01		अंग्रेजी विषय से परिचय (English Subject Introduction)
02		English Foundation (Grammar Basics)
03		Preposition
04		Same Word, Different Parts of Speech
05		Phrasal Verbs & Idioms
06		One Word Substitution
07		Confusing Words
08		Unseen Passage
09		Précis Writing
10		Translation
11		Elaboration of a Theme
12		Letter Writing & Report Writing

By
OMKAR SIR
MENTOR & EDUCATOR



Concept
Clarity



Exam-Oriented
Approach



Language Skills
for Life



Structured &
Simplified



Practice with
Perfection

अंग्रेजी विषय से परिचय

General English — RAS Mains का सबसे आसान स्कोरिंग विषय

💡 सुनीता जी GS विषय की तैयारी में कमाल हैं — इतिहास की तारीखें, अर्थशास्त्र के आंकड़े, भूगोल के नक्शे — सब जुबानी याद हैं। पर जैसे ही सामने General English का पेपर आता है, हाथ कांपने लगते हैं। स्कूल में अंग्रेज़ी टीचर की डांट, गलत grammar पर हंसी, 'यह तो अंग्रेज़ों की भाषा है, अपने बस की नहीं' — यह सब दिमाग में घूमने लगता है। पर सच यह है कि अंग्रेज़ी कोई रहस्य नहीं, सिर्फ एक 'skill' है — साइकिल चलाने जैसी। एक बार पैटर्न समझ आ जाए, तो डर अपने आप उतर जाता है। यही इस अध्याय और आगे आने वाले हर अध्याय का मकसद है — आपके अंदर से अंग्रेज़ी का डर निकालकर, उसकी जगह भरोसा भरना।

📖 इस अध्याय में क्या-क्या पढ़ेंगे

1. General English पेपर क्यों मायने रखता है (मार्क्स और अहमियत)
2. RAS Mains की पूरी परीक्षा में यह पेपर कहां फिट होता है
3. General English का पूरा Syllabus एक नज़र में (Part A, B, C)
4. अंग्रेज़ी से डर क्यों लगता है — असली कारण
5. डर को अलविदा कहने के 8 Practical Rules
6. क्या करें, क्या न करें (Do's & Don'ts)
7. आगे इस Series में कौन-कौन से अध्याय पढ़ेंगे (Chapter Map)
8. पढ़ाई शुरू करने से पहले अपनानी हैं ये 5 आदतें

🔥 General English पेपर क्यों मायने रखता है?

RAS Mains परीक्षा में कुल 4 पेपर होते हैं और हर पेपर 200 अंकों का — यानी कुल 800 अंक, और उसके बाद साक्षात्कार (Interview) के 100 अंक अलग से जुड़ते हैं। Paper-IV 'सामान्य हिंदी एवं अंग्रेज़ी' का है, जिसमें General Hindi 120 अंक और General English 70 अंक का होता है।

General Studies के पेपरों (I, II, III) में सिलेबस बहुत विशाल है — इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजव्यवस्था, विज्ञान — सब कुछ पढ़ना पड़ता है, फिर भी नंबर पक्के नहीं होते क्योंकि उत्तर subjective होते हैं। लेकिन General English एक ऐसा विषय है जिसके rules तय हैं, pattern तय है — अगर अभ्यास सही दिशा में हो तो यहां से मिलने वाले नंबर लगभग 'पक्के' अंक (guaranteed score) बन जाते हैं। यही वजह है कि टॉपर्स हमेशा कहते हैं — 'GS में मेहनत लगती है, पर Language पेपर में सही रणनीति से फर्क पड़ता है।'

🎯 RAS Mains की पूरी परीक्षा में यह पेपर कहां फिट होता है?

पेपर	विषय	अंक	समय
Paper I	सामान्य अध्ययन-I	200	3 घंटे
Paper II	सामान्य अध्ययन-II	200	3 घंटे
Paper III	सामान्य अध्ययन-III	200	3 घंटे
Paper IV	सामान्य हिंदी एवं अंग्रेज़ी	200	3 घंटे
Interview	साक्षात्कार	100	—

⚠ ध्यान रहे: मुख्य परीक्षा के हर पेपर में न्यूनतम 10% अंक तथा कुल मिलाकर न्यूनतम 15% अंक (SC/ST के लिए 5% छूट) लाना अनिवार्य है, तभी साक्षात्कार के लिए बुलावा आता है — इसलिए General English में भी न्यूनतम अंक सुनिश्चित करना जरूरी है, इसे हल्के में मत लीजिए।

⚠ बड़ी गलतफहमी दूर कीजिए: UPSC Mains की तरह यह कोई सिर्फ 'क्वालिफाइंग' पेपर नहीं है — RAS Mains में Paper-IV (सामान्य हिंदी एवं अंग्रेज़ी) के पूरे 200 अंक अंतिम मेरिट सूची (final merit) में सीधे जुड़ते हैं, ठीक वैसे ही जैसे Paper I, II, III के अंक जुड़ते हैं। इसलिए 'यह तो भाषा का पेपर है, बस पास हो जाऊं' — यह सोच खतरनाक है; यहां के 70 अंक (General English) भी आपकी रैंक तय करने में उतने ही अहम हैं जितने GS के अंक।

General English का पूरा Syllabus एक नज़र में

General English के 80 अंक तीन हिस्सों (Part A, B, C) में बंटे हैं। हर Part का अपना ढंग है — Part A में सीधे grammar-rules की पकड़ जांची जाती है, Part B में समझने-अनुवाद करने की क्षमता, और Part C में अपने विचार अंग्रेज़ी में व्यवस्थित तरीके से लिखने की क्षमता। आगे के सभी अध्याय (Chapter 1 से 10 तक) इन्हीं तीन Parts को क्रम से कवर करेंगे।

Part	टॉपिक्स	अंक
Part A(Grammar & Usage)	10 Sentence Correction — Articles, Prepositions, Tenses, Modals, Voice, Narration, Phrasal Verbs & Idioms, One Word Substitution, Confusing Words	20
Part B(Comprehension, Translation & Précis)	Unseen Passage (लगभग 300 शब्द, 5 प्रश्न), हिंदी→अंग्रेज़ी अनुवाद (5 वाक्य), Précis Writing (लगभग 100 शब्द)	30
Part C(Composition & Letter Writing)	Theme Elaboration (3 में से 1, ~150 शब्द), Official/Demi-Official Letter/Memorandum/Report Writing (~150 शब्द)	20

(कुल General English: 70 अंक — इसके अतिरिक्त Paper-IV में General Hindi के 90 अंक तथा एक अलग Essay Writing — Hindi या English में, ~600 शब्द — के 40 अंक भी शामिल हैं, जिससे पूरे Paper-IV का योग 200 अंक बनता है।)

हर Part का एक असली उदाहरण

Part	प्रश्न कैसा दिखेगा (उदाहरण)
Part A	Improve the underlined part: 'He is good in English.' → उत्तर: 'He is good at English.'
Part B	गद्यांश पढ़कर 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए / इस वाक्य का अंग्रेज़ी अनुवाद कीजिए: 'सरकार ने किसानों के लिए नई योजना शुरू की है।' → 'The government has launched a new scheme for farmers.'
Part C	Write about 150 words on the theme: 'No Pain, No Gain.' / Write an Official Letter to the Municipal Commissioner regarding a civic problem in your area.

🔑 Précis Writing

तकनीकी अर्थ: किसी लंबे गद्यांश (passage) को उसके मूल भाव और महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ तय शब्द-सीमा में संक्षेप में लिखना।

आसान भाषा में: जैसे कोई बड़ी कहानी किसी को 2 मिनट में सुनानी हो — जरूरी बातें रहें, बाकी हट जाए।

उदाहरण: अगर *passage* में किसी योजना की पूरी जानकारी 250 शब्दों में दी है, तो *Précis* में सिर्फ उसका उद्देश्य, मुख्य प्रावधान और परिणाम — यह सब 150-200 शब्दों में समेटना।

😬 अंग्रेज़ी से डर क्यों लगता है? — असली कारण समझिए

राजस्थान जैसे हिंदी-पट्टी वाले क्षेत्रों से आने वाले अधिकतर विद्यार्थियों के मन में अंग्रेज़ी को लेकर एक अनजाना डर बैठा होता है। यह डर बुद्धि की कमी से नहीं, बल्कि कुछ आम वजहों से आता है — जिन्हें पहचानते ही आधा डर वहीं खत्म हो जाता है।

- स्कूल में व्याकरण के rules रटवाए गए, पर बोलने-लिखने का असली अभ्यास कभी नहीं कराया गया।
- क्लास में गलत उच्चारण या गलत वाक्य बोलने पर हंसी उड़ने का डर मन में बैठ गया।
- घर और आसपास के माहौल में अंग्रेज़ी बोलने-सुनने का मौका बहुत कम मिला।
- परीक्षा में 'बिल्कुल सही जवाब' का दबाव रहता है, जबकि भाषा सीखने में गलतियां होना स्वाभाविक है।
- अंग्रेज़ी को 'विदेशी और कठिन भाषा' मान लिया गया, जबकि यह भी बाकी भाषाओं जैसे तय नियमों वाली एक भाषा ही है।

🔧 डर को अलविदा कहने के 8 Practical Rules

1. रोज़ सिर्फ 20-25 मिनट अंग्रेज़ी को दीजिए — लंबे समय तक टालने से बेहतर है थोड़ा-थोड़ा रोज़ अभ्यास।
2. गलती करने से मत डरिए — गलती ही वह जगह है जहां से सीख पक्की होती है, परीक्षा से पहले जितनी गलतियां यहां हो जाएं उतना फायदा।
3. हर वाक्य को पहले हिंदी में सोचकर word-by-word अनुवाद मत कीजिए — सीधे उस situation को अंग्रेज़ी में सोचने का अभ्यास कीजिए।
4. रोज़ाना 5 नए शब्द (words) सीखिए, पर सिर्फ रटिए मत — उन्हें एक-एक वाक्य में खुद इस्तेमाल करके लिखिए।

5. हर grammar rule को अलग-अलग रटने की बजाय उसका pattern पहचानिए — एक pattern समझ आते ही उससे जुड़े 10-15 प्रश्न अपने आप हल होने लगते हैं।
6. पिछले वर्षों के Papers से रोज़ाना थोड़ा अभ्यास कीजिए — इससे परीक्षा के असली स्तर और पैटर्न की समझ बनती है।
7. जो भी अंग्रेज़ी पढ़ें, उसे धीरे-धीरे जोर से बोलकर (reading aloud) पढ़ने की आदत डालिए — इससे उच्चारण और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं।
8. एक छोटी 'गलती-डायरी (Mistake Diary)' बनाइए — जो भी गलती एक बार हो, उसे नोट कर लीजिए ताकि वह दोबारा न दोहराए।

✓ क्या करें, ✗ क्या न करें

क्या करें (Do's)	क्या न करें (Don'ts)
✓ रोज़ थोड़ा-थोड़ा नियमित अभ्यास करें	✗ पूरा topic एक ही दिन में रटने की कोशिश न करें
✓ गलतियों को खुले मन से स्वीकार करें और सुधारें	✗ गलती होने पर पढ़ाई छोड़ने का मन न बनाएं
✓ Rules को उदाहरण के साथ समझें	✗ बिना समझे सिर्फ rules याद न करें
✓ पुराने Papers ज़रूर हल करें	✗ कठिन/भारी-भरकम शब्दों का दिखावा न करें
✓ आसान अंग्रेज़ी में लिखने की आदत डालें	✗ अभ्यास के बिना सीधे परीक्षा में उतरने की न सोचें

📚 आगे इस Series में कौन-कौन से अध्याय पढ़ेंगे

नीचे दी गई तालिका में पूरे General English syllabus को 10 व्यवस्थित अध्यायों में बांटा गया है — हर अध्याय अपने संबंधित Part और अंकों से जुड़ा है, ताकि आपको पता रहे कि किस अध्याय से परीक्षा में कितने अंक जुड़ते हैं।

अध्याय	नाम	Part	संबंधित अंक
Ch 1	Preposition (उपयोग सहित)	Part A	20 में से हिस्सा
Ch 2	Same Word — अलग-अलग Parts of Speech में प्रयोग	Part A	20 में से हिस्सा
Ch 3	Phrasal Verbs & Idioms (प्रयोग सहित)	Part A	20 में से हिस्सा
Ch 4	One Word Substitution (प्रयोग सहित)	Part A	20 में से हिस्सा
Ch 5	Words Often Confused or Misused	Part A	20 में से हिस्सा
Ch 6	Unseen Passage — Comprehension Technique	Part B	30 में से हिस्सा
Ch 7	Précis Writing — नियम व अभ्यास	Part B	30 में से हिस्सा

अध्याय	नाम	Part	संबंधित अंक
Ch 8	Translation (हिंदी→अंग्रेज़ी) — नियम व अभ्यास	Part B	30 में से हिस्सा
Ch 9	Composition / Theme Elaboration	Part C	30 में से हिस्सा
Ch 10	Letter/Report Writing (सभी प्रारूप)	Part C	30 में से हिस्सा

📌 पढ़ाई शुरू करने से पहले अपनानी हैं ये 5 आदतें

- (a) एक छोटी नोटबुक बनाइए — सिर्फ अंग्रेज़ी के नए शब्दों, मुहावरों और गलतियों के लिए।
- (b) हर अध्याय पढ़ने के बाद उसी दिन एक छोटा-सा self-test खुद बनाकर हल कीजिए।
- (c) जो भी सीखें, उसे एक साधारण वाक्य में बोलकर या लिखकर ज़रूर इस्तेमाल कीजिए।
- (d) Hindi और English की तुलना करते हुए पढ़िए — जहां दोनों भाषाओं का ढांचा अलग है, वहां विशेष ध्यान दीजिए।
- (e) हफ्ते में एक बार पीछे पढ़े गए अध्यायों को दोहराइए (revision) — नई चीज़ों से ज़्यादा ज़रूरी है जो पढ़ा उसे पक्का करना।



⚠ **याद रखिए:** राजस्थान से निकले हजारों अधिकारी हिंदी माध्यम से पढ़े हुए ही हैं। अंग्रेज़ी कोई ऐसी दीवार नहीं जो पार न हो सके — यह सिर्फ एक अभ्यास से आने वाला कौशल (skill) है, ठीक वैसे ही जैसे साइकिल चलाना या तैरना सीखना। जितना अभ्यास बढ़ेगा, डर उतना ही कम होता जाएगा। अगले अध्याय से हम Part A यानी Grammar & Usage से शुरुआत करेंगे — पहला पड़ाव: Preposition।





RAS

RPSC के नए सिलेबस के अनुसार

COMPLETE PRE & MAINS तैयारी

सही रणनीति • बेहतर सामग्री • पक्का चयन

By **Omkar Sir**



RPSC

Rajasthan Public Service Commission

आपका लक्ष्य

RAS

हमारा संकल्प

आपकी सफलता!

RAS

FOUNDATION COURSE

PRE + MAINS COMPLETE PREPARATION

VIDEO LECTURES
Chapterwise HD Video Classes

PDF NOTES
Detailed PDF Notes

QUIZ PRACTICE
Topicwise MCQ Quiz

SHORT NOTES
Exam Oriented Short Notes

ANSWER WRITING
Mains Answer Writing Practice

वेस मजबूत, तैयारी संपूर्ण, चयन निश्चित!

RAS

PRELIMS SUPER 60

60 दिन का TASK BASED STUDY PROGRAM

60 DAYS TASK PLAN
Day-wise Study Plan & Tasks

VIDEO LECTURES
Targeted Video Classes

PDF NOTES
Chapterwise PDF Notes

QUIZ PRACTICE
Daily & Sectional Quiz

SHORT NOTES
Quick Revision Notes



60 दिन की रणनीति, प्रीलिम्स पार पक्का!



FREE

RAS FREE TEST SERIES

अपनी तैयारी को दें सही परख!

कुल 18 TEST

RPSC PATTERN के अनुसार टेस्ट

COMPLETE SYLLABUS COVER

DETAILED SOLUTION के साथ

PERFORMANCE ANALYSIS

कुल 18 TESTS

14 SUBJECT WISE + 4 FULL LENGTH

कोर्स से जुड़ने के लिए आज ही डाउनलोड करें



NEW INDIA NAV BHARAT NIRMAN APP

अधिक जानकारी के लिए

www.omkarsir.in

7023166962

GENERAL ENGLISH

JOIN RAS COURSE - WWW.OMKARSIR.COM

Page - 7

अध्याय 0.5

अंग्रेज़ी की नींव

जहां से शुरू होता है अंग्रेज़ी के डर का अंत — पूरी तरह *Foundation*, बिना रस्ते

💡 पिछले अध्याय में हमने तय किया था — अंग्रेज़ी कोई दीवार नहीं, बस एक अभ्यास से आने वाला कौशल है। पर अभ्यास तभी काम करता है जब नींव मज़बूत हो। सोचिए — बिना नींव के घर की दीवारें कितनी भी सुंदर रंगी जाएं, टिकेंगी नहीं। ठीक ऐसे ही, बिना यह जाने कि अंग्रेज़ी का वाक्य बनता कैसे है, *tense* पहचाना कैसे जाता है, कोई भी आगे का *topic* — चाहे *Preposition* हो या *Précis* — सिर पर से निकल जाएगा। इसलिए इस अध्याय में हम बिल्कुल शुरुआत से चलेंगे — मान लीजिए जैसे अंग्रेज़ी *grammar* का एक भी नियम पहले नहीं पता। हर बात पहले उदाहरण से समझेंगे, फिर नियम बताएंगे — रटने के लिए कुछ नहीं है, हर चीज़ समझ में आनी चाहिए।

📖 इस अध्याय में क्या-क्या पढ़ेंगे

1. यह अध्याय कैसे पढ़ें (रटना नहीं, समझना है)
2. हिंदी और अंग्रेज़ी के वाक्य-ढांचे का फर्क — सबसे बड़ी दीवार
3. Punctuation — विराम चिह्नों की बुनियादी समझ
4. Parts of Speech — वाक्य के 8 अंग
5. Noun, Pronoun, Adjective, Adverb के ज़रूरी उप-प्रकार
6. Articles (a / an / the) की पूरी समझ
7. Countable-Uncountable Noun और Much/Many/Few/Little/Some/Any
8. Verb के रूप (V1, V2, V3, V4) और Helping Verbs
9. Modals — Can/Could/May/Might/Must/Should/Will/Would
10. 12 Tense की Master Chart — पहचान के शब्दों और अभ्यास वाक्यों के साथ (सकारात्मक/नकारात्मक/प्रश्नवाचक/विस्मयादिबोधक)
11. वाक्य को Negative और Question में बदलना
12. Voice — Active और Passive Voice
13. Narration — Direct और Indirect Speech
14. Subject-Verb Agreement — कर्ता-क्रिया का मेल
15. Vocabulary Building — Root, Prefix, Suffix से शब्द-भंडार
16. A-Z आधारशिला शब्द-भंडार — रोज़मर्रा के सबसे ज़्यादा प्रयोग होने वाले शब्द
17. Sentence Building अभ्यास — छोटे से बड़े वाक्य तक
18. आम गलतियाँ जो हर कोई करता है — गलती सुधार तालिका
19. Foundation Self-Test — अभ्यास प्रश्न व उत्तर

📖 यह अध्याय कैसे पढ़ें?

यह अध्याय किसी exam के लिए 'रटने वाला' अध्याय नहीं है — यह आपकी नींव है। इसलिए तीन बातें ध्यान रखिए। पहली — हर topic में पहले उदाहरण पढ़िए, फिर नियम पढ़िए, यही क्रम दिमाग में सबसे ज़्यादा टिकता है। दूसरी — जो भी उदाहरण आगे मिले, उसे खुद बोलकर एक बार दोहराइए। तीसरी — एक दिन में पूरा अध्याय खत्म करने की कोशिश मत कीजिए; एक-एक सेक्शन को 2-3 दिन तक बार-बार पढ़िए, तभी यह पक्का बैठेगा। इस अध्याय में उदाहरण बहुत ज़्यादा दिए गए हैं — जानबूझकर, ताकि हर नियम कई तरीकों से समझ आए।

✿ हिंदी और अंग्रेज़ी के वाक्य-ढांचे का फर्क

अंग्रेज़ी से डर की सबसे बड़ी जड़ यही है — हिंदी और अंग्रेज़ी के वाक्य बनने का तरीका (ढांचा) एक-दूसरे से बिल्कुल उल्टा है। जब तक यह फर्क समझ में नहीं आता, दिमाग हर वाक्य को हिंदी की तरह ही अंग्रेज़ी में बनाने की कोशिश करता है — और वहीं गलती हो जाती है।

🔑 हिंदी का ढांचा — SOV (Subject-Object-Verb)

तकनीकी अर्थ: हिंदी में वाक्य का क्रम होता है: कर्ता (Subject) + कर्म (Object) + क्रिया (Verb) — यानी काम करने वाला, फिर जिस पर काम हो, और सबसे आखिर में काम/क्रिया।

आसान भाषा में: जैसे 'राम आम खाता है' में — पहले 'राम' (कर्ता), फिर 'आम' (कर्म), और सबसे अंत में 'खाता है' (क्रिया) आता है।

उदाहरण: राम (Subject) + आम (Object) + खाता है (Verb)

🔑 अंग्रेज़ी का ढांचा — SVO (Subject-Verb-Object)

तकनीकी अर्थ: अंग्रेज़ी में वाक्य का क्रम होता है: Subject (कर्ता) + Verb (क्रिया) + Object (कर्म) — यानी क्रिया, कर्म से पहले आ जाती है।

आसान भाषा में: वही वाक्य अंग्रेज़ी में बनेगा — 'Ram eats a mango' — यहां 'eats' (क्रिया) बीच में आ गई, 'a mango' (कर्म) सबसे आखिर में।

उदाहरण: Ram (Subject) + eats (Verb) + a mango (Object)

इसी फर्क को कई उदाहरणों से पक्का कीजिए

हिंदी वाक्य (SOV)	गलत Word-by-Word अनुवाद	सही अंग्रेज़ी (SVO)
सीता किताब पढ़ती है	Sita book reads	Sita reads a book
मैं चाय पीता हूँ	I tea drink	I drink tea
वह पत्र लिखती है	She letter writes	She writes a letter
बच्चे खेल खेलते हैं	Children games play	Children play games
हम खाना बनाते हैं	We food cook	We cook food
मोहन गाड़ी चलाता है	Mohan car drives	Mohan drives a car

⚠ गलती की जड़ यहीं है: जब भी मन में हिंदी वाक्य बनाकर उसे शब्द-दर-शब्द (word-by-word) अंग्रेज़ी में बदलने की कोशिश होती है, वाक्य टूटा-फूटा बनता है। सही तरीका है — हिंदी वाक्य से सिर्फ भाव (meaning) समझिए, फिर सीधे अंग्रेज़ी के अपने ढांचे (Subject+Verb+Object) में सोचिए।

Punctuation — विराम चिह्नों की बुनियादी समझ

आगे बढ़ने से पहले कुछ सबसे बुनियादी नियम — जिन्हें अक्सर 'बहुत छोटी बात' समझकर छोड़ दिया जाता है, पर परीक्षा में लिखे गए हर वाक्य पर इनका असर पड़ता है।

चिह्न	कहां प्रयोग होता है	उदाहरण
Capital Letter (बड़ा अक्षर)	वाक्य के पहले शब्द में, नामों (Proper Noun) में, और 'I' हमेशा बड़े अक्षर में	Ram lives in Jaipur. I am a student.
Full Stop (.)	किसी सामान्य वाक्य के अंत में	She is a teacher.
Comma (,)	सूची बनाने में, या वाक्य में छोटा ठहराव दिखाने में	I bought apples, bananas, and mangoes.
Question Mark (?)	किसी प्रश्न के अंत में	Where do you live?
Exclamation Mark (!)	अचानक भाव/जज़्बात दिखाने में	What a beautiful morning!
Apostrophe (')	स्वामित्व (possession) या शब्द छोटा करने (contraction) में	Ram's book. / I don't know.

⚠ छोटी सी पर बड़ी गलती: 'I' को वाक्य के बीच में भी हमेशा बड़े अक्षर (Capital) में ही लिखा जाता है — चाहे वाक्य में वह कहीं भी आए। जैसे 'Yesterday I went to school' — यहां भी 'I' बड़ा ही रहेगा।

Parts of Speech — वाक्य के 8 अंग

जैसे शरीर के अलग-अलग अंग होते हैं (हाथ, पैर, आंख), वैसे ही किसी भी अंग्रेज़ी वाक्य में शब्दों के भी 8 प्रकार (Parts of Speech) होते हैं। हर शब्द किसी-न-किसी Part of Speech में आता है। एक बार यह पहचान आ जाए कि कौनसा शब्द किस Part of Speech का है, तो वाक्य बनाना अपने-आप आसान हो जाता है।

Part of Speech	पहचान	उदाहरण शब्द	वाक्य में प्रयोग
Noun (संज्ञा)	किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव का नाम	Ram, book, Jaipur, honesty	Ram reads a book in Jaipur.
Pronoun (सर्वनाम)	Noun के स्थान पर प्रयोग होने वाला शब्द	he, she, it, they, we	He reads it daily.